अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक की कलम से...

1 मई, 2024

प्रिय साथियो,

विद्युत उत्पादन उद्योग के निरंतर उन्नत होते परिदृश्य में, हम चुनौतियों से अनभिज्ञ नहीं हैं। जटिल विनियामक ढांचे से लेकर तकनीकी बाधाओं पर विजय पाने तक, हमारे समक्ष आने वाली प्रत्येक बाधा कुछ नया करने और इस पर विजय प्राप्त करने की हमारी सीमाओं को हमें फिर से परिभाषित करने का अवसर प्रदान करती है। एनएचपीसी के प्रत्येक सदस्य द्वारा दिखाए गए उल्लेखनीय लचीलेपन और अडिग समर्पण के लिए मैं हृदय से सराहना करता हूं। कार्य उत्कृष्टता के प्रति आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता हमारी सफलता की आधारशिला बनती है, जो हमे विकास यात्रा पर अग्रसर करती है।

मुझे आपके साथ कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ साझा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। हाल ही में, हमने 25 अप्रैल, 2024 को सीलिंग अरेंजमेंट के साथ-साथ स्पिलवे रेडियल गेट नंबर 7, 8 और 9 की सफल स्थापना करके सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना को पूरा करने की दिशा में एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त, दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना में, हमने महत्वपूर्ण डिर्की नाला का डायवर्जन कर लिया है, जो परियोजना स्थल तक हर मौसम में सड़क मार्ग सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिनांक 6 अप्रैल से 8 अप्रैल, 2024 तक श्री आर.के. चौधरी, निदेशक (तकनीकी और परियोजनाएं) के साथ मेरे द्वारा किए गए दौरे के दौरान हमने पार्बती-II जल विद्युत और पार्बती-III पावर स्टेशन में चल रहे कार्यों की प्रगति का आकलन किया, जिसमें पार्बती-II परियोजना की एचआरटी साइट, सेरी नाला कार्यों की समीक्षा और अटल सुरंग का दौरा भी शामिल था।

मुझे यह बताते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि रॉटरडैम, नीदरलैंड में 22 अप्रैल से 25 अप्रैल, 2024 तक आयोजित 26वीं वर्ल्ड एनर्जी कांग्रेस (डब्ल्यूईसी) में एनएचपीसी की उपलब्धियों को भारतीय पैवेलियन के हिस्से के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित किया गया था। इसके अतिरिक्त, नीदरलैंड के बॉक्सटेल में मेसर्स वैन हाल्टेरन टेक्नोलॉजीज के भ्रमण के दौरान, हमने तीस्ता-V पावर स्टेशन के बहाली कार्यों के लिए आवश्यक हाइड्रोलिक सिलेंडरों की निर्माण प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

एनएचपीसी ने दिनांक 29 अप्रैल, 2024 को फ्लोटिंग सोलर तकनीक में विशेषज्ञता वाली नॉर्वे की कंपनी मेसर्स ओशन सन के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। भारत में नॉर्वे की राजदूत महामहिम सुश्री मे-एलिन स्टेनर और नॉर्वे में भारत के राजदूत महामहिम डॉ.एक्निनो विमल सहित सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

एक अन्य उल्लेखनीय विकास क्रम में, एनएचपीसी के रियल-टाइम सिस्मिक डेटा सेंटर द्वारा आईआईटी रूड़की के भूकंप इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से, एनएचपीसी के नेटवर्क के स्ट्राँग मोशन डेटा से हिमालयन-स्पेसिफिक एट्टेनुएशन रिलेशंस के विकास पर एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह पथप्रदर्शक प्रयास 1000 से अधिक हिमालयी भूकंप रिकॉर्डों से प्राप्त ड्राइंग से इस प्रकार के संबंध स्थापित करने का अपनी तरह का पहला प्रयास है।

अप्रैल माह 2024 के दौरान राजस्व संग्रह 530.79 करोड़ रुपए रहा है। अप्रैल माह 2024 के अंत में एनएचपीसी के सभी पावर स्टेशनों की कुल संचयी विद्युत उत्पादन 1718.3 मिलियन यूनिट थी।

इस माह की अन्य मुख्य विशेषताएं हैं:

- जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग के आयुक्त (सिंधु) श्री ए.के. पाल के नेतृत्व में समिति ने सिंधु जल संधि के पहलुओं पर चर्चा करने हेतु दिनांक 7 अप्रैल, 2024 को एनएचपीसी सलाल बांध (जम्मू व कश्मीर) का दौरा किया।
- एनएचपीसी के प्रतिनिधिमंडल ने लंदन में "भू-तकनीकी अनुसंधान और इंजीनियरिंग (आईसीजीआरई 2024) पर 9 वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया, तथा पार्बती-II जलविद्युत परियोजनाओं की भूवैज्ञानिक स्थिरता पर पेपर प्रस्तुत किया।
- निगम मुख्यालय में दिनांक 26 अप्रैल, 2024 को मेरिन्गो-क्यूआरजी अस्पताल के सहयोग से आयोजित एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर में 179 कार्मिकों को परामर्श किया गया।
- एनएचपीसी की बैडमिंटन टीम ने नई दिल्ली में आयोजित स्कोप प्रीमियर लीग में 2 स्वर्ण और 3 रजत पदक के साथ सराहनीय सफलता हासिल की ।
- पार्बती-II जलविद्युत परियोजना को 'पीआर परफॉर्मर ऑफ द ईयर 2023-24' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि एनएचपीसी के चंडीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय और सुबनसिरी लोअर जलविद्युत परियोजना ने क्रमशः प्रथम और द्वितीय रनर -अप का स्थान प्राप्त किया।
- एनएचपीसी की स्पोर्ट्स स्कॉलर सुश्री शश्रुति वी. नाकाड़े ने ग्वालियर, मध्य प्रदेश में आयोजित 23 वीं राष्ट्रीय पैरा तैराकी चैंपियनशिप में उल्लेखनीय प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण पदक जीते।

जिस प्रकार हम अपनी आकांक्षाओं को पूरा करते हैं, आइए उसी प्रकार विकास के लिए चुनौतियों को अवसरों के रूप में स्वीकार करें। वे हमें चुनौती दे सकते हैं और हमारी सीमाओं को विस्तारित कर सकते हैं, फिर भी वे सीखने और लचीलेपन के लिए उत्प्रेरक के रूप में भी कार्य करते हैं, जो अंततः हमें बड़ी उपलब्धियों की ओर प्रेरित करते हैं।

मैं आपको और आपके प्रियजनों को बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

आपका,

राजेन्द्र गोयल

(आर.पी. गोयल)
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक